



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... *The Tribune*.....
दिनांक 11.11.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 6

HAU to install 1-MW solar power plant

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, NOVEMBER 2

To conserve the environment, Haryana Agricultural University (HAU) will soon ensure functioning of electrical appliances through solar energy.

A university spokesman said a power purchase agreement had been secured between HAU, Sukhbir Agro Energy Limited and Haryana Renewable Energy Development Agency.

Under this, one MW solar power plant will be installed in the university. The entire cost of setting up the plant will be borne by the company. This will

Haryana farm varsity to save over ₹65 lakh annually

save the university more than Rs 65 lakh annually and the university will get electricity at about Rs 3.33. After the solar power plant is set up, the university will generate 13.70 lakh units of electricity annually.

Vice-Chancellor Samar Singh said setting up a solar power plant was an important step towards environment protection. It will be installed on the roofs of all buildings of the university and after this the rate of electricity per unit to the university will also be reduced because so far the cost of electricity per unit from Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam is about Rs 6.40.

The PPA was signed in the presence of the VC, Estate Officer and Chief Engineer Bhupendra Singh, Sub Divisional Officer Somvir Gehlawat and Sukhbir Agro Energy Limited CEO Khalid Nadeem and Deputy Manager Anil Yadav. University's Estate Officer and Chief Engineer Bhupendra Singh said this would be for the first time that such a solar power plant was being installed on a government building in the state as the electricity generated from this plant would cost Rs 3.33 per unit. "Earlier, wherever government buildings had solar power plants, the electricity rate per unit has been expensive," he said.

He said the company would take care of these plants and for the next 25 years it would run and maintain the plants. On completion of the 25-year period, the plant would become the university property.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पञ्चांशी कैसरी

समाचार पत्र का नाम.....
दिनांक ..3..11..2020....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6-8.....

'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 2 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 3 दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्प बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी तैयार करने के महत्व के साथ-साथ



ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सम्बोधित करते वक्ता।

गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी

तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

१५ जून २०२०

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ३. ६. २०२० पृष्ठ संख्या..... ३

कॉलम..... १-२

विज्ञानियों ने दिए सब्जियों के बेहतर उत्पादन के टिप्प

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का संपन्न हुआ। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्प बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डा. ऊषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें।

नवीनतम तकनीकों की दी जानकारी : सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डा. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डा. एसके तेहलान ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के

किसानों को दी सलाह

- सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान में सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना विषय पर प्रशिक्षण का समाप्तन



प्रतीकात्मक तस्वीर। ● जागरण आर्काइव

लिए प्रोत्साहित किया। डा. राकेश चुघ ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए।

डा. भूपेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी व हानिकारक कीड़ों के बीच अंतर बताया। उन्होंने बेहतर सब्जी उत्पादन के लिए गुणवत्ता पूर्ण नर्सरी तैयार करने की विधि से प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अवगत कराया। डा. निर्मल कुमार ने विभिन्न सब्जियों के विपणन की रणनीतियों से अवगत कराया और बताया कि किसान समूह बनाकर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

30 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण : इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डा. देवेंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाते हुए प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

२१ नवंबर २०२०

दिनांक ३. ११. २०२० पृष्ठ संख्या २ कॉलम ३-६

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के दिए टिप्पणी एचएयू में 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना' विषय पर हुए प्रशिक्षण का समापन

भारकर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना' विषय पर अँनलाइन चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। प्रशिक्षण के समापन पर साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ.

अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण का लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्प बताए। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत जरूरी है। इसके

बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद नर्सरी को तैयार करें। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एसके तेहलान ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अभ्युजाला
दिनांक ..३.।।.२०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ३-४

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका बनाने के बताए तरीके

हिसार। एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं
शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका
के लिए नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
सोमवार को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण के समापन संस्थान के सह-
निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण
का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस
प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा
की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों
ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह
वाटिका तैयार करने के तरीके बताए। सब्जी विज्ञान विभाग के
सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने
प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक
तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एसके तेहलान, डॉ. भूपेंद्र सिंह,
डॉ. निर्मल कुमार ने भी सब्जियों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को
महत्वपूर्ण जानकारी दी। व्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	03.11.2020	--	--

कृषि: 'नर्सरी तैयार करना' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण का समाप्ति

सछियों के बेहतर उत्पादन व गृह बाटिका तैयार करने के बारे टिप्पणी

■ नर्सरी तैयार करने से
पहले जमीन का चुनाव
बेहद जरूरी: डॉ. उषा

हिस्तम (सच कहूँ ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सचिव नेतृत्व के अधीनियकों प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय सबजी उत्पादन व गृह बाटिका तैयार करने के बारे विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रार्थ्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान संबोधित करते हुए, इस प्रशिक्षण का समाप्ति हुआ। प्रशिक्षण के समाप्ति के साथ-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अधिक से अधिक लाभ उठाने का असर पर प्रार्थ्योगिकी प्रशिक्षण को आइन किया। इस प्रशिक्षण का



आगोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव खेतों के लिए प्रोत्त्वातित किया। डॉ. आर.एस. हुड्डा को देखते खेत व मार्गदरीन में किया गया।

प्रशिक्षण के लैगान विद्यार्थी ने जी जानकारी दीवारों के बेहतर होने की ओर बढ़ाव दिया। डॉ. शुभेंदु गोपन लर्नां वर्चारे के लिए सुझाव दिए। डॉ. शुभेंदु गोपन लर्नां वर्चारे के लिए सुझाव दिए। डॉ. शुभेंदु गोपन लर्नां वर्चारे के लिए सुझाव दिए। डॉ. शुभेंदु गोपन लर्नां वर्चारे के लिए सुझाव दिए। डॉ. शुभेंदु गोपन लर्नां वर्चारे के लिए सुझाव दिए। डॉ. शुभेंदु गोपन लर्नां वर्चारे के लिए सुझाव दिए।

प्रशिक्षण के साथ-साथ गृह बाटिका तैयार करने के टिप्पणी विषय के सहायता दीवार और बाटाव। उत्पादन के लिए गृहवितानी पर्याप्त नहीं तैयार करने के टिप्पणी विषय विषय के सहायता दीवार और बाटाव। उत्पादन के लिए गृहवितानी पर्याप्त नहीं तैयार करने के टिप्पणी विषय के सहायता दीवार और बाटाव। उत्पादन के लिए गृहवितानी पर्याप्त नहीं तैयार करने के टिप्पणी विषय के सहायता दीवार और बाटाव। उत्पादन के लिए गृहवितानी पर्याप्त नहीं तैयार करने के टिप्पणी विषय के सहायता दीवार और बाटाव।

विद्यार्थी ने प्रशिक्षण विद्यार्थी को नहीं करने के टिप्पणी विषय के सहायता दीवार और बाटाव। उत्पादन के लिए गृहवितानी पर्याप्त नहीं तैयार करने के टिप्पणी विषय के सहायता दीवार और बाटाव।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को जानकारी दी। डॉ. एस.के. डॉ. निर्मल कुमार ने विषयन सहितों के लिए सुझाव दिए। डॉ. एस.के. डॉ. निर्मल कुमार ने विषयन सहितों के लिए सुझाव दिए।

विषयन को रखनेवाले से अवगत कराया गया। विषयन को रखनेवाले से अवगत कराया गया।

विषयन को रखनेवाले को बताया कि नहीं यात्रा, लालसुन, और बाटाव कि बिस्तार समाज के लिए गृहवितानी और गोपनी की अधिक युगाभ करा सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

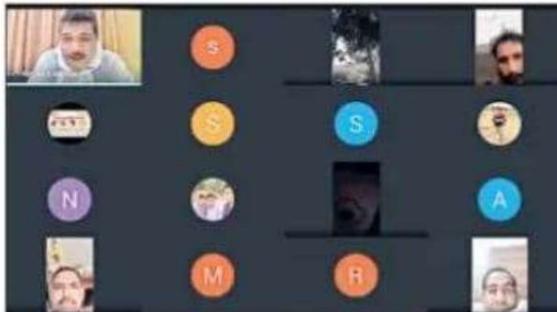
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	03.11.2020	--	--

■ तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण में दी अभूतपूर्व जानकारियां

सञ्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बारे टिप्प

हिसार, 2 नवंबर (सुरेंद्र सोटी)

: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सञ्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नसरी तैयार करना' विषय पर औनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समाप्त अवसर पर साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ ढाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा को देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सञ्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्प बताए। इसके अलावा सञ्जी उत्पादन



ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बता।

में नसरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मुद्रा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नसरी तैयार करने से पहले जयोन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक

नवीनतम तकनीकों की दी जानकारी

सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नसरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एस.के. तेहलान ने किसानों को सर्वियों की मासम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. गंकेश चूध ने सब्जियों को बीपारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. भूर्णद सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी व हाँनकारक कोड़ी के बीच अंत बताया।

तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नसरी को तैयार करें।



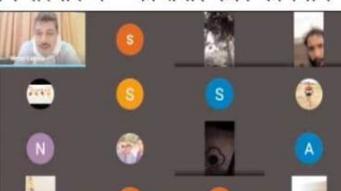
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	03.11.2020	--	--

सञ्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बताए टिप्प

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह



वाटिका तैयार करने के टिप्प बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	02.11.2020	--	--

‘सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नर्सरी तैयार करना’ विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण का समापन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ‘सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिए नर्सरी तैयार करना’ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह

वाटिका तैयार करने के टिप्प बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. दंविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाते हुए प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	02.11.2020	--	--

'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नसरी तैयार करना' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण सम्पन्न

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बताए टिप्प

पांच बजे ब्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नसरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड़ा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्प बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नसरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मुदा विज्ञान) डॉ. उषा वर्षाठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नसरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जाँच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही

नसरी को तैयार करें।

नवीनतम तकनीकों की दी जानकारी

सब्जी विज्ञान विषय के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षणार्थियों के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नसरी तैयार करने की विभिन्न आधिक तकनीकों की जानकारी दी।

डॉ. एसके तेहलीन ने किसानों को सर्दियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेघी, पूरानोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्ताहित किया। डॉ. राकेश चुध ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. भूपेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी व हानिकारक कीड़ों के बीच अंतर बताया। उन्होंने बेहतर सब्जी

उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण नसरी तैयार करने की विधि से प्रांशुक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अवगत कराया। डॉ. निमल कुमार ने विभिन्न सब्जियों के विषय की रणनीतियों से अवगत कराया और बताया कि विस्तार समृद्ध बनाकर अधिक मुनाफा कम सकते हैं।

30 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. देवेंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नसरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत करता हुए प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	02.11.2020	--	--

सब्जी उत्पादन एवं गृह बाटिका हेतु नर्सरी तैयार करने पर प्रशिक्षण

हिसार/02 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह बाटिका हेतु नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर साधन नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड़ा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह बाटिका तैयार करने के टिप्प स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह बाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद

ही नर्सरी को तैयार करें। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एसके तेहलान ने किसानों को सर्वियों के मौसम की सब्जियों जैसे प्याज, लहसुन, पालक, मेथी, पूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. राकेश चुध ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. भूर्णेंद्र सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी बानिकारक कीड़ों के बीच अंतर बताया। उन्होंने बेहतर सब्जी उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण नर्सरी तैयार करने की विधि से प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अवगत कराया। डॉ. निर्मल कुमार ने विभिन्न सब्जियों के विपणन की रणनीतियों से अवगत कराया और बताया कि किसान समूह बनाकर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। 30 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. देविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाते हुए प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

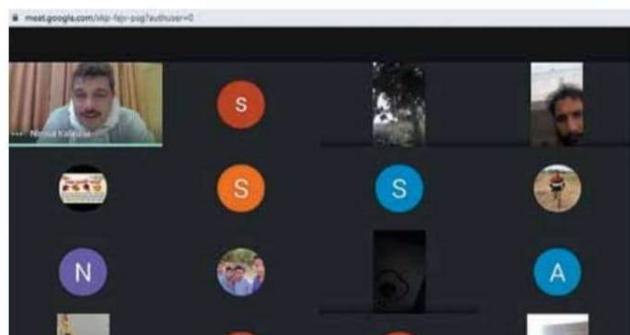
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	02.11.2020	--	--

सब्जियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बताए टिप्स

‘सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नसरी तैयार करना’ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण का समापन

द्वे न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथया नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय सब्जी उत्पादन एवं विषयक हेतु नसरी तैयार करना’ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर साथया नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अमोक गंदारा ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार प्रशिक्षण निदेशक डॉ. आर.एस. हुड़ा की देखरेख व मानदंड में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके द्वारा देखरेख व मानदंड में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्स बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नसरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मुदा विज्ञान) डॉ. उषा विशिष्ट ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नसरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत हालांकि तकनीकों की जानकारी लिए लाभकारी व हानिकारक कीज़ों



ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए वक्ता।

30 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण : इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रशिक्षणार्थियों ने दिसंसाले लिया। डॉ. देवेंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नसरी तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से उद्घाटन करताते हुए प्रशिक्षण लंबी अवधि तक लोकर दियार-दिमर्श किया। ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी दी। डॉ. एस.के. तेहलान ने किसानों के बीच अंतर बताया। उन्होंने बेहतरी की जांच व उसमें मौजूद पोषक की संविधानों के मौसम के संबंधित सब्जी उत्पादन के लिए गुणवत्ता पूर्ण नसरी तैयार करने की विधि से अवगत कराया। डॉ. निर्मल कुमार ने विभिन्न सब्जियों के विपणन की रणनीतियों से अवगत कराया। डॉ. भूमेंद्र सिंह ने सब्जियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. रंकेश डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों के लिए लाभकारी व हानिकारक कीज़ों को नसरी तैयार करने की विधि ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जियों के लिए लाभकारी व हानिकारक कीज़ों को सम्पूर्ण बनाकर अधिक मुनाफ़ा कमा सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगत क्रान्ति	02.11.2020	--	--

सभियों के बेहतर उत्पादन व गृह वाटिका तैयार करने के बारे में टिप्पणी

हिसार/विनोद गांधी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन विषयों 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका हेतु नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर साधना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

इस प्रशिक्षण का आयोजन विद्यार्थियों निदेशक डॉ. अर.एम. हुड़ा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विलोधियों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्पणी बताए। इसके अलावा सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने को विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान) डॉ. उषा वरिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जगीन का चुनाव चलत है जिससे है। इसके बाद उषा मिठी की जांच व उसमें भीजूट पापक तत्वों की जानकारी हासिल करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू	02.11.2020	--	--

प्रतिभागी बागवान ऑनलाइन प्रशिक्षण का लाभ उठाएँ : गोदारा

चंडीगढ़/खुशबू। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सब्जी उत्पादन एवं गृह वाटिका के लिये नर्सरी तैयार करना' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समाप्त अवसर पर संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आव्वान किया। प्रशिक्षण की आयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस. हुइडा ने

बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को सब्जी के बेहतर उत्पादन के साथ-साथ गृह वाटिका तैयार करने के टिप्प बताए। सब्जी उत्पादन में नर्सरी को तैयार करने के महत्व के साथ-साथ गृह वाटिका को तैयार करने की विधि की भी जानकारी दी। संस्थान की सहायक निदेशक (मृदा विज्ञान)डॉ. उत्ता वर्षिण ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि नर्सरी तैयार करने से पहले जमीन का चुनाव बहुत ही जरूरी है। इसके बाद उस मिट्टी की जांच व उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी हासिल करें। इसके बाद ही नर्सरी को तैयार करें। सब्जी विज्ञान विभाग के सहायक वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी तैयार करने की विभिन्न आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. एस.के. तेहलान ने किसानों को संदर्भों के मौसम की संबंधियों जैसे याज, लहसुन, पालक, मेथी, फूलगोभी और गोभी की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. एकेश चूध ने संबंधियों को बीमारी से बचाने के लिए सुझाव दिए। डॉ. भूषण सिंह व डॉ. निर्मल कुमार ने भी अपने विचार रखे।